# कक्षा 6 के भोपाल मदरसों के विद्यार्थियों की भाषा और सृजनात्मकता की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय,
भोपाल (म.प्र.)
की
शिक्षा में एम.एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत

## लघुशोध-प्रबंध

2018-2020


मार्गदर्शक
डॉ. एन.सी ओझा
(वरिष्ठ व्याख्याता)

शोधकर्ता
श्रीमती रूख़साना कुरैशी
एम.एड. प्रशिक्षणार्थी


REGIONAL INSTITUTE OF EDUCATION

# कक्षा 6 के भोपाल मदरसों के विद्यार्थियों की भाषा और सृजनात्मकता की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

1 7 NOV 2021

**बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)**
**की**

**शिक्षा में एम.एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत**

## लघुशोध-प्रबंध

**2018-2020**

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

D - 482

मार्गदर्शक
डॉ. एन.सी ओझा
(वरिष्ठ व्याख्याता)

शोधकर्ता
श्रीमती रुख़साना कुरैशी
एम.एड. प्रशिक्षणार्थी

**REGIONAL INSTITUTE OF EDUCATION**

# प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **श्रीमती रुख़्साना कुरैशी** एम. एड. प्रशिक्षणार्थी इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा "कक्षा 6 के भोपाल मदरसों के विद्यार्थियों की भाषा और सृजनात्मकता की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन" विषय पर मेरे मार्गदर्शन में लघुशोध प्रबंध विधिवत पूर्ण किया गया है इनका यह शोध कार्य पूर्णतः मौलिक है जो अत्यंत लगन व निष्ठा से किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल की शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.) उपाधि परीक्षा वर्ष 2018–2020 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने योग्य है।

**स्थान – भोपाल**

**दिनांक ..............**

**मार्गदर्शक**

**डॉ. एन.सी ओझा**

**(वरिष्ठ व्याख्याता)**

# घोषणा-पत्र

मैं **श्रीमती रूखसाना कुरैशी** यह घोषित करती हूँ कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल की शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.) की उपाधि वर्ष 2018–2020 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत लघुशोध "कक्षा 6 के भोपाल मदरसों के विद्यार्थियों की भाषा और सृजनात्मकता की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन" मेरे द्वारा संपन्न किया गया पूर्णतः मौलिक कार्य है एवं इसके सभी क्षेत्रों का अध्ययन मैने स्वयं कर सत्यता प्रमाणित होने के पश्चात् ही अपने इस लघुशोध में सम्मिलित किया है।

शोधकर्ता

स्थान – भोपाल

दिनांक ..............

श्रीमती रूखसाना कुरैशी
एम.एड. प्रशिक्षणार्थी

# आभार

"मिलें हैं मुझको ये बनकर खुदा की नेअमत
जो कुछ हूँ आज सब वालिदैन और उस्ताद की बदौलत"

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध के संदर्भ में सर्वप्रथम मैं अपने अल्लाह का शुक्र अदा करती हूँ कि उसी के हुकम से अपनी शिक्षा को आगे बढ़ा सकी और अपनी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (RIE) की आभारी हूँ जिसमें मुझे प्रशिक्षण लेने तथा यह कार्य करने आ अवसर प्राप्त हुआ।

इसके पश्चात मैं अपने प्राचार्य एवं गुरू आदणीय डॉ. एन.सी.ओझा जी का ह्वदय से आभार व्यक्त करती हूँ। जिन्होंने इस विषय पर शोधकार्य करने की अनुमति प्रदान की। आपके स्नेह एवं प्रोत्साहन के परिणाम स्वरूप ही मैं यह कार्य समपन्न कर सकी हूँ आपके स्नेहिल एवं विनम्र स्वभाव को जीवन भर भुला पाना असम्भव है।

अतः में पुन आदणीय गुरूवर श्री डा. एन.सी.ओझा सर का ह्वदय से आभारी हूँ। जिन्होंने अपनी महाविद्यालीन व्यवस्ता तथा बहु मूल्य समय एवं उपयोगी सुझाव देकर तथा हर समस्या का निराकरण कर मेरा शोधकार्य पूर्ण करने में मार्गदर्शन किया।

मैं इस महाविद्यालय के श्रद्धेय गुरूवर डॉ. चुगताई सर, डॉ. रमेश बाबू, डॉ संजय पंडागरे सर, डॉ. रत्नामाला मैम, डॉ सौरभ कुमार सर इन सभी गुरूजनों एवं विद्वानों की आभारी हूँ जिनके आशीर्वाद व मार्गदर्शन में यह कार्य सम्पादित कर सकी।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ पी.के. त्रिपाठी सर की आभारी हूँ जिन्होंने समय–समय पर संबंधित साहित्य प्रदान किये एवं प्रोत्साहन शोधकार्य पूर्ण से करने में सफल हुई। साथ ही मैं पुस्तकालय परिवार के अन्य सदस्यों का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने मुझे सहयोग दिया।

मैं भोपाल में स्थित उन मदरसा के प्राचार्य शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं की भी ह्रदय से आभारी हूँ जिन्होंने ने समय पर अपने मदरसे में शोधकार्य करने के लिए अनुमति एवं पूर्ण सहयोग दियां जिनके सहयोग के बिना यह कार्य सम्भव नहीं था। इसके अतिरिक्त मैं अपने सहपाठियों का भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने समय–समय पर मेरे अध्ययन को पूर्ण करने में मेरा सहयोग किया।

मैं अपने उन सभी आदणीय बुजुर्गो की ऋणी हूँ जिनकी दुआओं (आशीर्वाद) से मैं इस मुकाम तक पहुँच सकी। साथ ही मेरे शौहर श्री अमजद खाँ की आभारी हूँ जिन्होंने व्यवस्ता के बावजूद अपना सहयोग दिया एवं मेरी पुत्री अमीमा अमजद साहित परिवार के अन्य सदस्यों एवं उन सभी का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया।

मैं उन मनोवैज्ञानिकों एवं दार्शनिको का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होने मेरी समस्या से संबंधित साहित्य की यह अमूल्य विधि विरासत के रूप में सौंपी।

अंत मैं मेरे शोध प्रबंध को सुंदर ढंग से टंकण (टाइप) करने हेतु अंजुम हकीम का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने लगन एवं मेहनत के साथ कलात्मक व कुशल ढंग से मेरे लघुशोध प्रबंध को निखारा है।

"मेरी मंज़िल मेरी मेहनत का हासिल है
मगर फिर न होते राहबर तो रास्ता आसान नहीं होता"

# अनुक्रमणिका


**प्रथम अध्याय अध्ययन की पृष्ठभूमि**

| | | |
|---|---|---|
| 1.1.0 | *भूमिका* | 1 |
| 1.2.0 | *प्रत्ययों की व्याख्या* | 7 |
| 1.3.0 | *अध्ययन की आवश्यकता* | 8 |
| 1.4.0 | *समस्या कथन* | 9 |
| 1.5.0 | *चरों की संक्रियात्मक परिभाषा* | 9 |
| 1.6.0 | *अध्ययन के उद्देश्य* | 13 |
| 1.7.0 | *परिकल्पनाएँ* | 13 |
| 1.8.0 | *परिसीमन* | 13 |

**द्वितीय अध्याय – संबंधित शोध एवं साहित्य का पुनरावलोकन**

| | | |
|---|---|---|
| 2.1.0 | *भूमिका* | 14 |
| 2.2.0 | *संबंधित चरों पर किये गए शोध* | 14 |
| | *2.2.1 सृजनात्मकता से संबंधित* | 14 |
| | *2.2.2 शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित* | 18 |
| 2.3.0 | *पूर्व अनुसंधान से प्राप्त निष्कर्ष* | 20 |

**तृतीय अध्याय – शोध प्रविधि**

| | | |
|---|---|---|
| 3.1.0 | *भूमिका* | 24 |
| 3.2.0 | *न्यादर्श* | 24 |
| 3.3.0 | *शोध प्रविधि* | 26 |
| | *3.3.1* शोध उपकरण | 26 |
| | 3.2.3.1 सृजनात्मकता | 27 |
| | 3.2.3.2 *शैक्षिक उपलब्धि* | 29 |
| 3.4.0 | *सांख्यिकीय प्रविधियाँ* | 30 |
| | *उपसंहार* | |

**चतुर्थ अध्याय – प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष**

| | | |
|---|---|---|
| 4.1.0 | *भूमिका* | 31 |
| 4.2.0 | *उद्देश्यवार प्रदत्तों का विश्लेषण* | 31 |
| | *उपसंहार* | |

**पंचम अध्याय – परिणाम एवं व्याख्या**

| | | |
|---|---|---|
| 5.1.0 | *भूमिका* | 37 |
| 5.2.0 | विद्यार्थियों की भाषागत का परिणाम एवं व्याख्या | 37 |
| | *उपसंहार* | |

**षष्टम अध्याय – सारांश, सुझाव एवं शैक्षिक निहितार्थ**

| | | |
|---|---|---|
| 6.1.0 | *भूमिका* | 41 |
| 6.2.0 | *समस्या कथन* | 42 |
| 6.3.0 | *चरों की संक्रियात्मक परिभाषा* | 42 |
| 6.4.0 | *उद्‌देश्य* | 43 |
| 6.5.0 | *परिसीमन* | 43 |
| 6.6.0 | *संबंधित शोध साहित्य का पुनरावलोकन* | 43 |
| 6.7.0 | *परिकल्पनाएँ* | 44 |
| 6.8.0 | *न्यादर्श* | 44 |
| 6.9.0 | *उपकरण* | 44 |
| 6.10.0 | *प्रदत्त संकलन की विधि* | 45 |
| 6.11.0 | *सांख्यिकीय प्रविधियाँ* | 45 |
| 6.12.0 | *प्रमुख सम्प्राप्तियाँ एवं निष्कर्ष* | 45 |
| 6.13.0 | *भावी शोध अध्ययन हेतु सुझाव* | 46 |
| 6.14.0 | *शैक्षिक निहितार्थ* | 48 |
| | *उपसंहार* | |

- संदर्भ ग्रन्थ सूची 50

- परिशिष्ट

  डॉ. बाकर मेंहदी द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत (सृजनात्मक चिन्तन शब्द)

  डॉ. एल.एन. दुबे (हिन्दी उपलब्धि परीक्षण)

# सारणी सूची


| सारणी क्रं. | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 3.2.1 | न्यादर्श में चयनित मदरसों के नाम एवं जनसंख्या | 24 |
| 4.1 | विद्यार्थियों की भाषा योग्यताओं के मध्यमानों, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं ('t') के गणना द्वारा प्राप्त मान को प्रदर्शित करती सारणी | 31 |
| 4.2 | विद्यार्थियों की भाषागत एवं सृजनात्मकता के मध्यमानों, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं ('t') के गणना द्वारा प्राप्त मान को प्रदर्शित करती सारणी | 33 |
| 4.3 | विद्यार्थियों की भाषा योग्यता एवं सृजनात्मकता के मध्य सह–संबंध 'r' का मान को प्रदर्शित करती सारणी | 35 |

# आरेख सूची


| आरेख क्रं. | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 4.1 | विद्यार्थियों की भाषा योग्यताओं के मध्यमानों का ग्राफीय निरूपण | 32 |
| 4.2 | विद्यार्थियों की भाषागत एवं सृजनात्मकता के मध्यमानों का ग्राफीय निरूपण | 34 |
| 4.3 | विद्यार्थियों की भाषा योग्यता एवं सृजनात्मकता के मध्य सह–संबंध का ग्राफीय निरूपण | 36 |